



# VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

## ABHYAAS MAINS

### निबंध ESSAY

निर्धारित समय: तीन घंटे  
Time Allowed: **Three Hours**

टेस्ट कोड/ Test Code : 2488

अधिकतम अंक: 250  
Maximum Marks: 250

#### सामान्य अनुदेश

इस प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका में 32+2 पृष्ठ हैं। प्रश्न-पत्र, क्यू.सी.ए. पुस्तिका के अंत में संलग्न है, जो अलग (वियोज्य) किया जा सकता है और उम्मीदवार परीक्षा के उपरांत अपने साथ ले जा सकते हैं।

रफ कार्य के लिए तीन खाली पृष्ठ (पृष्ठ संख्या. 30-32) दिए गए हैं।

पुस्तिका प्राप्त होने पर, कृपया यह जांच कर लें कि इस क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कोई कमी न हो, फटा हुआ पृष्ठ न हो अथवा कोई पृष्ठ गायब न हो इत्यादि। यदि ऐसा हो, तो इसके बदले नई क्यू.सी.ए. पुस्तिका प्राप्त कर लें।

#### General Instructions

This Question-cum-Answer (QCA) Booklet contains 33+2 pages. Question Paper in detachable form is available at the end of the QCA Booklet which can be taken away by the candidate after examination.

Three blank pages (Page Nos. 30–32) have been provided for rough work.

On receipt of the Booklet, please check that this QCA Booklet does not have any shortcomings, torn or missing pages etc. If so, get it replaced with a fresh QCA Booklet.

(उम्मीदवार द्वारा भरा जाएगा/To be filled by the Candidate)

पंजीकरण सं./Registration No. : 1103916

अभ्यर्थी का नाम/Name of Student : SRISHTI DABAS

माध्यम: हिंदी/अंग्रेजी  
Medium: Hindi/English


ENGLISH

तारीख  
Date

25 August 2023

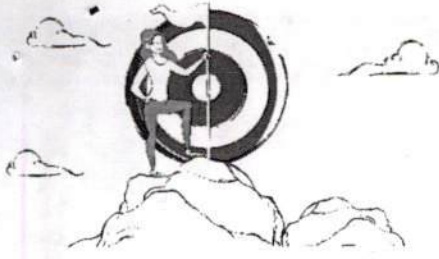
### निबंध ESSAY

केंद्र  
Centre 34 PUSA ROAD,  
KAROL BAGH, DELHI

  
निरीक्षक के हस्ताक्षर  
Invigilator's Signature



	महत्वपूर्ण अनुदेश	Important Instructions
	उम्मीदवार को नीचे उल्लिखित निर्देश सावधानी से पढ़ लेने चाहिए। किसी भी निर्देश का उल्लंघन करने पर उम्मीदवार को मिलने वाले अंकों में कटौती, उम्मीदवारी रद्द, आयोग के परवर्ती परीक्षाओं के लिए वर्जित करने इत्यादि के रूप में दण्डित किया जा सकता है।	Candidate should read the undermentioned instructions carefully. Violation of any of the following instructions may entail penalty in the form of deduction of marks, cancellation of candidature, debarment from further Examination of the Commission etc.
1	(क) अपना पंजीकरण सं. एवं अन्य विवरण केवल प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) में उम्मीदवार के लिए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। (ख) इस पुस्तिका में अन्यत्र कहीं भी अपना नाम, पंजीकरण सं., मोबाइल नं., पता अथवा प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका (क्यू.सी.ए.) संख्या न लिखें जिससे आपकी पहचान का खुलासा हो।	(a) Write your Registration Number and other details only in the space provided in the Question-Cum-Answer (QCA) Booklet for candidates. (b) Do not disclose your identity in any manner such as, by writing your Name, Registration number, Mobile number, Address, Question-Cum-Answer (QCA) Booklet No. etc. elsewhere in the Booklet
2	अपनी क्यू.सी.ए. पुस्तिका में कहीं भी प्रश्नों के वास्तविक उत्तर के अतिरिक्त कुछ न लिखें जैसे कि कोई कविता/दोहा, अभद्र या अपमानजनक अभिव्यक्ति इत्यादि और न ही कोई ऐसा चिन्ह/निशान बनाएं जिसका उत्तर से सम्बन्ध न हो।	Do not write in the QCA Booklet anything other than the actual answer such as couplet, obscene, abusive expression etc., nor put any sign/mark having no relevance to the answer.
3	परीक्षक को प्रत्यक्ष/अप्रत्यक्ष रूप से कोई भी प्रार्थना/धमकी भरी बातें न लिखें।	Do not make any direct/indirect appeal/threat to the examiner.
4	उत्तर अस्पष्ट अथवा गंदी लिखावट में न लिखें। इस प्रकार के उत्तर का मूल्यांकन नहीं भी किया जा सकता है।	Do not write answers in bad/illegible handwriting. Such answers may not be evaluated.
5	उत्तर स्याही में ही लिखें। उत्तर लिखने के लिए पेंसिल का उपयोग न करें, हालांकि आरेख, चित्र इत्यादि बनाने के लिए पेंसिल का उपयोग किया जा सकता है।	Write answers in ink only. Do not use pencil for writing the answers. However, pencil may be used for drawing diagrams, sketches, etc.
6	प्रवेश पत्र में उल्लेख किए गए माध्यम के अलावा अन्य किसी माध्यम में उत्तर न लिखें। अधिकृत और अनधिकृत की मिली जुली भाषा का भी उपयोग न करें।	Do not write answers in medium other than the authorized medium in the Admission Certificate. Do not use mixed language either i.e. authorize and unauthorized media together for writing answers.
7	प्रश्नों के उत्तर ठीक उसके नीचे दिए गए निर्धारित स्थान पर ही लिखें। निर्धारित स्थान के अलावा किसी अन्य स्थान पर लिखे गए उत्तर का मूल्यांकन नहीं किया जाएगा।	Write answer at the specific space (right below the question) only. Answers written elsewhere at unspecified places in the booklet shall not be evaluated.
8	यदि आप अपने किसी उत्तर को रद्द करना चाहते हैं तो उसे पेन से काट दें तथा उस पर "रद्द" लिख दें, अन्यथा उसका मूल्यांकन किया जा सकता है।	If you wish to cancel any work, draw your pen through it and write "Cancelled" across it, otherwise it may be valued.



# VISIONIAS

INSPIRING INNOVATION

## ABHYAAS MAINS

### निबंध

निर्धारित समय: तीन घंटे

टेस्ट कोड : 2488

अधिकतम अंक: 250

### प्रश्न-पत्र संबंधी विशेष अनुदेश

(प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़ें)

प्रवेश-पत्र में प्राधिकृत माध्यम में निबंध लिखना आवश्यक है तथा इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू.सी.ए.) पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर करना आवश्यक है। प्राधिकृत माध्यम के अलावा अन्य माध्यम में लिखे गए उत्तरों पर अंक नहीं दिए जाएंगे।

प्रश्नों के उत्तर निर्दिष्ट शब्द-संख्या के अनुसार होने चाहिए।

प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए किसी पृष्ठ व पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

### ESSAY

Time Allowed : Three Hours

Test Code : 2488

Maximum Marks : 250

### QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

The ESSAY must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

World limit, as specified, should be adhered to.

Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.



## EVALUATION INDICATORS

1. Contextual Competence
2. Content Competence
3. Language Competence
4. Introduction Competence
5. Structure - Presentation Competence
6. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

**All the Best**

\* खंड A और B प्रत्येक से एक-एक विषय चुनकर दो निबंध लिखिए, जो प्रत्येक लगभग 1000-1200 शब्दों में हो :

Write **two** essays, choosing **one** topic from each of the Sections A and B, in about 1000-1200 words each : 125 x 2 = 250

### खण्ड – A / SECTION – A

1. टूटे हुए बयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।  
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।  
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।  
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।  
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

### खण्ड – B / SECTION – B

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।  
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।  
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।  
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।  
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.



खण्ड - A / SECTION - A

1. टूटे हुए वयस्क की मरम्मत करने की तुलना में मजबूत बच्चों का निर्माण करना आसान है।  
It is easier to build strong children than to repair broken men.
2. कोरा तर्कपूर्ण मन उस चाकू के समान है जिसमें केवल फलक ही फलक है, वह प्रयोग करने वाले हाथों को ही लहलुहान कर देता है।  
A mind all logic is like a knife all blade, it makes the hand bleed that uses it.
3. जब कैटरपिलर को लगता है कि दुनिया खत्म हो गई, वह तितली बन जाता है।  
Just when the caterpillar thought the world was over, it became a butterfly.
4. इतिहास, मनुष्य की स्मृतियों पर समय द्वारा लिखी गई एक चक्रीय कविता है।  
History is a cyclic poem written by time upon the memories of man.

A MIND ALL LOGIC IS LIKE A KNIFE ALL BLADE,  
IT MAKES THE HAND BLEED THAT USES IT

Cunningness and calculations ....  
wickedness and logical manipulations...  
were the characteristics of 'SHAKUNI',  
the Maternal uncle of Suryodhan.  
He used all his logic to put  
the Pandavas down. But what was  
the outcome? The 'YUDH OF  
MAHABHARATA', ultimately leading  
to victory of 'Dharma' over evil.

It was the 'knife' of cunningness that made the Kauravas bleed. It was their negative 'mind' that led them to their destruction.

Not just in mythology, but in real life too, we come across numerous such instances where man relied merely on logic and created various 'bleeding' hands of damage, disaster and demise!

Through this essay, we shall explore the multifacet ideas of 'knife' and 'bleeding hands' and the damages they bring along. We shall also delve into ~~ways~~ <sup>ways</sup> to stop the bleeding and repair the hands.



# The Menace of the Mind of Logic: The Knife that Bleeds the Hand

उम्मीदवाते :  
इस हार्डिपे :  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

Human beings, among the zillions of species, are the most advanced creatures due to their power of logic - the ability to reason and the capacity to think. But how have they used their logical minds is all that made the difference.

The creation of 'Atom Bombs' involved lots of logic and research, but what was the outcome - Destruction.

The nuclear weapons are presented as 'weapons of peace', but do they really ever bring peace? All they cause is more Security Dilemma.



and the never ending arms race.

The hands that created such innovations are themselves at the threat of bleeding and always in fear.

Same was the case with Hitler who led Holocaust against the Jews, yet himself committed suicide.

The Britishers, who carried out the Jallianwala bagh massacre, themselves face huge criticism even today. Such negative people 'keep bleeding' for times to come as they attract the hatred of all.

Let us fast forward to the 21<sup>st</sup> century. We see people who use their skills and knowledge for their selfish motives and

do not shy from committing crimes.

The frauds by Harshad Mehta or Chanda Kochhar, all reflect that mindless application of <sup>logic</sup> ~~mind~~ for <sup>achieving</sup> wrong ends are surely exposed, sooner or later, and they 'bleed' behind the bars. Or even in 'hell' after getting death sentence, like Ajmal Kasab.

On the environmental front, we see how humans have exploited the resources beyond the carrying capacity of the nature. Be it artificial rains or artificial sun, genetically modified crops or changing courses of ~~natur~~ rivers, we have committed the 'Rape of Nature' (Vandana Shiva)



With the 'knife' of global warming, which is turning into global boiling (Antonio Guterres), we are 'bleeding' Mother Earth. In return, we are also bleeding our own selves and facing the fury of nature in the form of disasters.

Ethically speaking, we are not just moving towards climate apocalypse but also 'ethical apocalypse'.

Excessive reliance on logic and reason has overshadowed our compassion. For instance, we saw IAS Haijot Kaul comparing 'pads' with 'condoms', relying on her logic of objective administration, thereby 'bleeding' not just her reputation but the entire trust of public towards the 'rusting' steel frame of India.

The police officers who used lathi charge on public for violating the lockdown during covid, are another case in point for using the 'knife' of power leading to the perception that 'police is brutal', making the entire police force 'bleed'.

But is it that logic is always wrong? Does it always bleed? Certainly not!

---

The flip side of the coin: The necessity of logic

---

Humans have progressed from the Stone Age to the Internet Age, through various discoveries and inventions. It was the human mind that created autonomous cars and chatbots.



Also, using minds of logic to overcome superstitions of witchcraft or ~~poverty~~ purity and pollution, is justified. Inhibiting the spirit of scientific temper, as it is our fundamental duty, is necessary.

In such scenarios, the 'knife' represents the power of precision, objectivity and knowledge. Such knife does not 'bleed', rather strengthens the hand through progress and development.

Hence the mind and its logic becomes a 'tool', whose impacts depend on how it is used. Whether it harms like a knife or cares like a flower depends on the 'hand' and character of humans.

## The petals of flower and The Tenderness of Heart: The Need of the Hour

उम्मीदवारों को  
इस हशिप में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidate  
must not  
write on  
this margin

If we add a pinch of compassion and empathy to our 'logic', we can convert the knife into a beautiful flower — which will be tender and full of fragrance.

The emphasis on 'karuna' by Gautam Buddha shows us the way. Mother Teresa was the epitome of kindness, because of her love and compassion; through which she strengthened the 'hands' of many by extending her hands of benevolence.

We need to prevent 'bleeding' of the society as well as Earth, by ~~the~~ building strong characters, like



Nelson Mandela with the power of  
forgiveness and IAS Keerthi Talli  
with the perseverance of conviction.  
Be it Sonu Sood who helped many  
during the covid crisis or  
Sonum Wangchuk who created artificial  
snow for the benefit of people,  
all such great personalities share  
one thing in common — A MIND  
OF EMPATHY.

Such minds tame the knife of  
negativities and evolve a world  
of optimism — the optimists that  
sees opportunity in every difficulty,  
and strives for a better future.

It becomes utmost important to  
evolve an ethical Artificial Intelligence  
as well as ethical society — where  
minds of machines and humans are

filled with positivities of co-existence  
and cooperation, not conflict and  
clashes.

As regards ecological protection  
is concerned, we need to subside  
the belief of:

“PRAKRATI RAKSHATI RAKSHITA”

ie. mother Earth protects when  
protected. And this protection will  
come not from 'Minds of Logic'  
but 'Minds of Compassion' - to  
adopt the 'LIFESTYLE' of Mindful  
Consumption and Thoughtful Production.

When nature is stopped from  
bleeding, it shall bless us with  
the flowers of flourishing and  
petals of prosperity.



Hence, going forward, we must understand that →

"If Logic strengthens the ship,  
it is character that anchors the ship."

We must ensure that logic is not applied mindlessly, for selfish interests, rather supplemented with ethical values of love, kindness, benevolence and empathy.

Let us all take a pledge to not  
let our minds turn robots —  
~~mechanistic~~ <sup>mechanistic</sup> and heartless, to prevent  
knives of vices bleed our future.  
Rather let us arise, awake and  
stop not for a sustainable living  
and happy future.

5. बुद्धिमान व्यक्ति तुरंत वही करता है जो मूर्ख अंततः करता है।  
The wise man does at once what the fool does finally.
6. दुनिया उन लोगों के लिए एक त्रासदी है जो महसूस करते हैं, लेकिन उन लोगों के लिए एक कॉमेडी है जो विचार करते हैं।  
The world is a tragedy to those who feel, but a comedy to those who think.
7. पूर्ण स्पष्टता से बुद्धि को तो लाभ होगा लेकिन इच्छाशक्ति को क्षति पहुंचेगी।  
Perfect clarity would profit the intellect but damage the will.
8. अपना चेहरा रोशनी की ओर रखिए और आपको कोई छाया दिखाई नहीं देगी।  
Keep your face to the sunshine and you cannot see a shadow.

KEEP YOUR FACE TO THE SUNSHINE  
AND YOU CANNOT SEE A SHADOW

“ She was in chains,  
yet she struggled to break them,  
She was sliced into pieces,  
yet she did not stop,  
She was surrounded by shadow,  
yet she saw the sunshine.”

This is India. - The India that was  
in the chains of colonialism, sliced  
into pieces by the partition and



Surrounded by shadow of poverty, hunger and communalism.

उम्मीदवारों को  
इस हाशिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

Despite the hurdles, India chose to safeguard her sovereignty, move on the path of development to become the fifth largest economy of the world, aiming to become the 'Vishwaaguru'.

This journey of India from a shattered colony to a progressive nation (SAMRIDHA BHARAT) shows that if we have conviction and courage to stay optimistic & not lose hope in times of distress, we shall prosper.

Let us explore through this essay the various dimensions of 'sunshine' and 'shadow', necessity and dangers of both and the future prospects.

## The Multiple Faces of Sunshine and Shadow

Sunshine represents light and brightness while shadow represents negativity and darkness. The former brings hope and positivity, while the latter brings disdain and disappointments.

When one keeps her face to the sunshine, she allows the positive vibes to shape her beliefs & convictions. For instance, Arunima Sinha faced the 'shadow of her disability', yet never gave up and became the first amputee to climb Mount Everest.

Sudha Murty also handled the 'shadow of patriarchy' and saw the sunshine of being an engineer in all boys college; today being a successful author as well.



Hence, sunshine reflects the power of conviction and indomitable spirit.

In other aspects, sunshine represents transparency. As it is said that:

“Sunshine is the best disinfectant.”

The power of transparency is reflected through 'Right to Information' which shatters the 'shadow of opacity' and exposes frauds.

Be it the citizen charters or social audits, they all reflect the

“end of era of darkness, and beginning of era of brightness.”

The sunshine's influence applies not just to individuals & institutions, but also to nations. We have a living example of Japan which

despite facing the 'shadows' of nuclear bombing and 'seismic instability', did not give up. It looked high at the sunshine to develop itself economically and socially, to emerge as a great power pole.

This sunshine of hope applies to global concerns as well. Be it climate change or terrorism, civil unrest or extremism, the sunshine of 'solidarity' is needed to resolve these 'problems without borders'.

Initiatives like International Solar Alliance, Coalition for Disaster Resilient Infrastructure, Delhi Declaration on curbing terrorism, platform of G-20, all aim at metamorphising the shadows of challenges into sunshine of collaboration.



But, is it so easy to face the sunshine? Is it so smooth to overcome the shadow? No. It requires lots of courage and conviction, dedication and determination, energy and enthusiasm to fight the odds.

---

### The Path to Sunshine: The Difficult Path to Tread

---

They say :

“ If it is dark today,  
the sun will shine tomorrow  
morning, for the <sup>night</sup> ~~moon~~ cannot  
stop the sun from rising.”

but, how will someone, who has lost hope, understand this?

By listening to the voice of conscience  
- the inner sunshine, which never  
fails and never fades.

There will be tough times when we will feel like giving up to the 'shadows' of negativities of failure and obstacles. In such situations shadow will overpower sunshine.

It is then that our character is tested. Stephen Hawking could have easily blamed his disability, cried and repented for his loss. However, he chose to make it his strength and face the world.

Aishwarya Rituparna overcome the negative 'shadow' of society and became the first transgender civil servant. Such courage is what brings positivity and satisfaction. But there is an other side of the story as well.



# The Necessity of Shadow

उम्मीदवारों को  
इस हाशिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

At times, the shadow is required. The shadow of 'failure' to test the character, and the shadow of defeat to make <sup>future</sup> success more rewarding.

Had Thomas Alva Edison not failed numerous times, he would not have discovered thousands of ways that did not work.

Had Dashrath Manjhi not lost his wife, he would never have carved a way through the mountains.

As they say:

“ white appears whiter  
in front of black. ”

Same applies to life. The taste of

success achieved after overcoming all obstacles is even sweeter!

Also, excessive of sunshine of success makes people arrogant.

It is then that shadow of stumbling a little is required to keep them humane and humble.

It is this humility that will make the success sustainable.

for countries, it becomes necessary to prevent revanchist tendencies of Russia and China, that nations like India associated with Quad - to maintain balance of power.

This balance is the sunshine of inclusive and progressive world order, where shadows of hegemony does not prevail.



## The future of the world : Sunshines of peace and harmony

उम्मीदवारों को  
इस हाशिए में  
नहीं लिखना  
चाहिए  
Candidates  
must not  
write on  
this margin

When difficulties come, they bring with them opportunities; when failure comes, it brings with itself lessons.

The lessons for personal growth, professional competencies and global harmony. The recent shadows of Russia Ukraine war and covid pandemic have hampered all the three arenas.

However, soon came the sunshine of vaccines through global collaborations. As regards the war, there is an urgent need for sunshine of Dialogue as this is not era of war but era of peace.

When we talk of facing all these numerous sunshines, we must also remember that not always will we be supported or hand held. There will be times when we will have to 'EKLA CHOLO RE', and be the change we wish to see in the world.

Be it Mahatma Gandhi or Raja Ram Mohan Roy, leadership has always paved the way towards the sunshine of a better future.

In this glorious future, let us overcome the shadow of hate as reflected by George Floyd's dying words "I cannot breathe", and instead adopt sunshine of prosperity as reminded by



Martin Luther King Jr.'s living words,  
"I have a Dream"

Let us break this dichotomy by  
suppressing the shadows of vices of  
jealousy, corruption, oppression and  
superstitions; and empowering the  
sunshine of virtues of love,  
respect, peaceful co-existence and  
harmony through the ideals of  
'Vasudhaiva Kutumbhakam'.

Let us remind ourselves of the  
struggles of the past to move  
towards a progressive future, by  
facing the shadows of challenges  
with the positive mindset of —  
'This Too Shall Pass.' !

# SPACE FOR ROUGH WORK

Intro Shakuni - Cunningness, calculations  $\rightarrow$  "YUDH OF M"  $\rightarrow$  critic  
~~logic~~ logic wickedness & logical manipulation  $\rightarrow$  Kuru vanish

The Menace of the  
 Mind ~~of~~ Logic: Knife ~~that~~ bleeds the hand.

Human = Zillions = Reason, capacity to think  
 of ani  
 But  $\rightarrow$  Shakuni  $\rightarrow$  Mahabharata  $\rightarrow$  end!  
Atom bomb - destruction } more who made  
 disaster } themselves  
 damage. }  $\rightarrow$  Security dilemma  
Nuclear W.

Ajmal Kasab! Mitter  $\rightarrow$  Holocaust  $\rightarrow$  himself suicide  
 $\rightarrow$  hated today.

Knife represents  $\rightarrow$  sharpness  $\rightarrow$  power to pierce

Tech AI, Robots  $\rightarrow$  man lethargic  
 Auton. cars ethical challenge  
 acc?  $\rightarrow$  'Bleed'  
 $\rightarrow$  Racial

CEO Friends  $\rightarrow$  Jay Sharm, Adarsh Hori, CW.  
 conflict of i  $\rightarrow$  Chanda Kochhar

C.S.  $\rightarrow$  IAS Harjot Kaur - pad = tandon.  
 Impartial Logic = govt exp<sup>ee</sup>.  
 Less ppl trust  
 $\rightarrow$  use bathi charge  $\rightarrow$  covid  $\rightarrow$   
 conception that 'police is brutal'

X pol. - power politics  $\rightarrow$  'dirty' field

Env<sup>t</sup> - Rape of Nature (V Shiva)  
 Artif. sun, GM,  
 colonize Mars  
 Deep Ocean  
 Artif. Rain.  
 Hand bleed  
 burnt of nature  
 Climate  
 GW  $\rightarrow$  GB  
 Bleed  
 mother  
 earth

Gothic - Eth. analyse  
 - rel<sup>n</sup> transactional  
 materialism

[www.visionias.in](http://www.visionias.in)

Ship sinks not  $\therefore$  —

The ~~tenderness~~ pitfalls of the  
 the ~~tenderness~~ pitfalls of the  
Duryodhan compassion  
love  
empathy  
Yudhis  
Chare

$\rightarrow$  Mother Teresa  
 $\rightarrow$  Sonu Sood  
 $\rightarrow$  Keerti Jelli  
 $\rightarrow$  IAS Bra Singh  $\rightarrow$  2 +  
 $\rightarrow$  Buddha  $\rightarrow$  'Karna'

The flip side of the coin:  
 necessity of logic

Stone Age to Internet A  
 $\rightarrow$  objective analysis

$\rightarrow$  need harsh  $\rightarrow$  Terrorists,  
 to be

- Scientific advancement

-  $\downarrow$  superstitions,  $\leftarrow$  sati  
 witch

Ship of Blade = precision  
 helps har  
Mathyandray

Taming the logic via  
 $\downarrow$  pinch of comp

cos = ESG : Stop bleed

env<sup>t</sup> = Rakshati Raksh Ka

ethical edu

tech = AI.

logic - strength to ship 30  
 but character = anchor the



## SPACE FOR ROUGH WORK

4. She was in chains, yet ~~she~~ <sup>she struggled to break them.</sup> ~~she~~ <sup>she</sup> was sliced into pieces, yet she did not stop. She was surrounded by shadow, yet she saw the sunshine."

Multiple Faces of  
The Sunshine and Shadow

sunshine of  
optimism

shadow of  
pessimism

Sudha Murthy

Transparency

"Sunlight is the best  
disinfectant."

Social Audits

Citizen charters

Jan Sooksha portal, Raj.

RTI

era of darkness  
era of light

This is India - The India that was in chains  
of colonialism,  
sliced into pieces by partition  
& ruled  
by shadows  
of poverty,  
hunger &  
communalism.

imp of failure

→ Thomas Alva Edison.

[keep humane & humble]  
humility  
Shadow of opacity → Nat'l Sec

Yet she  
stood ~~for~~ <sup>for</sup>

The Path of Sunshine: Difficult  
But not easy → To Tread

① ~~Fail~~ fail, give up  
shadow overpower sunshine  
negativity.

But → Stephen Hawking  
→ Arunima Sinha  
→ Ira Singh  
→ Aishwarya Rituparna

② Sometimes 'Ekla Chalo Re'

③ This too shall pass.

Necessity

the shadow = "I have a dream"  
mechanistic

Sambuddha

Solution → ① = progressive future  
Panch pran  
Panchamrit

→ Japan → n. bomb  
→ disasters } yet rises  
up.

History "Safar-e-Hind"

Global → sustle → ISA  
CDRI

→ economies → SSRI

## SPACE FOR ROUGH WORK

